केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 330 सोमवार 24 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

साइबर ठगों ने उड़ाये 12 लाख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोशल मीडिया पर अनजाने लोगों से दोस्ती करना और उनसे चौटिंग करना लोगों पर भारी पड़ने लगा है। एक शिक्षिका समेत दो लोगों के साथ 12 लाख रुपये की साइबर ठगी की घटना सामने आई है। साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज घटना की छानबीन शुरु कर दी है। कप्तानगंज कंपोजिट विद्यालय में तैनात शिक्षिका किरन कुमारी ने तहरीर में बताया कि उन्हें एलगो ट्रेडिंग के जरिए अच्छा प्रोफिट पाने की लालच देकर उनके खाते से कई ट्रांजेक्शन के जरिए छह लाख सात हजार पांच सौ रुपये फर्जी डीमैट एकाउंट खोल कर जमा करा कर ऑनलाइन फर्जीवाड़े को अंजाम दे दिया गया।

इसी तरह का फ्राड चुइलबाबू थाना दुबौलिया निवासी रवीन्द्र वर्मा के साथ भी सामने आया है। जालसाजों ने उनके खाते से छह लाख 153 रुपये पार कर दिए। इस मामले में साइबर थाने के निरीक्षक विकास यादव ने पूछे जाने पर बताया कि दोनों पीड़ितों की शिकायत पर जालसाजी की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस इस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

अनधिकृत हूटर उतरवाये गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में हूटर, सायरन बजाने व सरकार लिखे वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस की ओर से कार्रवाई लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार, भारत सरकार लिखवाने वालों के खिलाफ जिले की यातायात पुलिस का डंडा चला है। शहर व हाईवे पर मिले 265 वाहनों की जांच की गई। अनधिकृत मिले वाहनों से हूटर उतरवाए गए। पुलिस लिखे वाहनों के चालान किए गए।

बीडीए के एक्सईएन समेत कुल 41 गाड़ियों का चालान किया गया। अधिशाषी अभियंता बीडीए की गाड़ी पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ पाया गया था। टीएसआई कामेश्वर सिंह ने बताया कि हूटर का प्रयोग सिर्फ पुलिस, प्रशासन के अधिकारियों की गाड़ियों व फायर ब्रिगेड एवं एंबुलेंस में ही किया जा सकता है। यातायात प्रभारी ने बताया कि अभियान में उन वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है, जिन पर हूटर, पुलिस या फिर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा है। अभियान में शनिवार को कुल 41 वाहन हूटर व पुलिस लिखे और लाल–नीली बत्ती वाहनों पर कार्रवाई की गई है। बताया कि 25 जून तक अभियान निरंतर जारी रहेगा।

दो ट्रकों की भिडन्त में चालक घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हर्रैया (बस्ती)। हर्रैया थानाक्षेत्र के हर्रैया बभनान पलाई ओवर पर देर रात आगे जा रहे अज्ञात ट्रक चालक के अचानक ब्रेक लेने से पीछे आ रही ट्रक में भिड़ंत हो गयी। इसके चलते पीछे की गाड़ी का चालक ट्रक में फंस गया। ट्रक का अगला कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त ग्रस्त हो गया। हर्रैया पुलिस ने आसपास के लोगों की सहयोग सें काफी मशक्कत के बाद घायल ट्रक चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और उसे सीएचसी हर्रैया में भर्ती कराया। हादसे के चलते फोरलेन पर गाड़ियों की लाइन लग गई। हादसा शनिवार देर रात हुआ। पुलिस ने जेसीबी से ट्रक को किनारे लगवाकर आवागमन बहाल कराया। घायल ट्रक चालक की पहचान दीपक पुत्र सुरेंद्र (35) निवासी ग्राम चंदौली, थाना बेवर जनपद मैनपुरी के रूप में हुई। वह अयोध्या से बस्ती की तरफ ट्रक लेकर जा रहा था कि हादसे का शिकार हो गया।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से: प्रोटेम स्पीकर पर भड़का विपक्ष

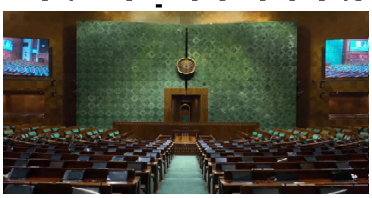

नई दिल्ली (आभा)। 18वीं लोकसभा का सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सांसद शपथ लेने वाले हैं। सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की देखरेख में होगा। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि पहले दिन एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच टकराव का माहौल बन सकता है क्योंकि प्रोटेम स्पीकर के चुनाव को लेकर विपक्ष ने अभी से ही मोदी सरकार की आलोचना शुरू कर दी है। कई लोगों का मानना है कि सोमवार को सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान विपक्ष भड़क सकता है।

4 जून को लोकसभा नतीजे आने के बाद नई लोकसभा का पहला सत्र सोमवार को होगा। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के 292 सांसद, विपक्षी एलायंस इंडिया के 233 सांसद और 18 अन्य सांसद शपथ लेने वाले हैं। कार्यक्रम को दो दिनों में बांटा गया है। शपथ ग्रहण प्रक्रिया मंगलवार तक चलेगी। शपथ ग्रहण सोमवार सुबह 11 बजे से शुरू होगा। सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी शपथ लेंगे। उन्हें प्रोटेम स्पीकर द्वारा लोकसभा में पार्टी नेता के रूप में घोषित किया जाएगा। इसके बाद अलग–अलग राज्यों के शुरुआती अक्षरों के मुताबिक सांसदों के नाम पुकारे जाएंगे। ऐसे में सबसे पहले असम के सांसदों को मौका मिलेगा। सबसे आखिर में पश्चिम बंगाल का बुलावा आएगा।

ओडिशा के कटक से सात बार के सांसद भर्तृहरि लोकसभा सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की देखरेख में प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ लेंगे। इसके बाद वह संसद पहुंचेंगे और सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह शुरू करेंगे। राष्ट्रपति ने इस काम में प्रोटेम स्पीकर की मदद के लिए विपक्ष के नेताओं को नियुक्त किया है। कांग्रेस के के सुरेश, तृणमूल के सुदीप बनर्जी और डीएमके के टीआर बालुक को प्रोटेम स्पीकर के पैनल में रखा गया है लेकिन विपक्ष इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करने की सोच रहा है। ऐसे में बीजेपी के राधामोहन सिंह और फग्गन सिंह ही प्रोटेम स्पीकर के पैनल में होंगे। 26 जून को सांसदों के शपथ लेने के बाद लोकसभा स्पीकर का चुनाव किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रपति 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री 2 या 3 जुलाई को संसद की बहस में हिस्सा ले सकते हैं।

प्रोटेम स्पीकर की जिम्मेदारी आमतौर पर लोकसभा के सबसे वरिष्ठ और अनुभवी सांसद को दी जाती है। उस लिहाज से माना जा रहा था कि कांग्रेस के आठ बार के सांसद के सुरेश को इस बार यह जिम्मेदारी मिलेगी। लेकिन विवाद तब शुरू हुआ जब उनकी जगह सात बार के सांसद भर्तृहरि को ये जिम्मेदारी दी गई। कांग्रेस का आरोप है कि दलित होने के कारण सुरेश को प्रोटेम स्पीकर नहीं बनाया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू का तर्क है कि सुरेश लगातार आठ बार से सांसद नहीं हैं। वह दो साल में चुनाव हार गए। लेकिन भर्तृहरि लगातार सात साल से सांसद हैं। प्रोटेम स्पीकर का मुद्दा उठाकर विपक्षी खेमा लोकसभा सत्र के पहले दिन से ही टकराव की राह पर चल सकता है।

पुर्न परीक्षा में शामिल हुये 813 उम्मीदवार

नई दिल्ली आभा)। नीट यूजी परीक्षा का दोबारा आयोजन किया गया। रविवार को 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट यूजी परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। एनटीए द्वारा कहा गया कि इस परीक्षा में लगभग 800 उम्मीदवार शामिल हुए हैं। एनटीए ने कहा, नीट यूजी की पुनः परीक्षा में 1563 में से कुल 813 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 23 जून को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट – यूजी की पुनःपरीक्षा आयोजित की। कुल 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट रीटेस्ट आयोजित किया गया था। इन उम्मीदवारों को खोए हुए समय की भरपाई के लिए ग्रेस मार्कस दिए गए थे, जिसके कारण इस निर्णय पर विवाद हुआ था।

किसान ने तहसीलदार को जड़ दिया थप्पड़

फिरोजाबाद (आभा)। जिले के जसराना के गांव नगला तुर्सी में शनिवार को जमीन विवाद सुलझाने गए तहसीलदार और राजस्व टीम के साथ कुछ लोगों ने अभद्रता कर दी। तहसीलदार दोनों पक्षों से बातचीत कर ही रहे थे कि एक किसान ने उन्हें थप्पड़ मारकर जमीन पर गिरा दिया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तहसीलदार को थप्पड़ मारे जाने का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

थाना जसराना के गांव नगला तुर्सी में जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। एक पक्ष द्वारा अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने की शिकायत की गई थी। विवाद को सुलझाने के लिए तहसीलदार जसराना लालता प्रसाद राजस्व टीम के साथ शनिवार को गांव में पहुंचे थे। तहसीलदार ने दोनों पक्षों को मौके पर बुलाया और उनसे बातचीत शुरू की। इस दौरान दूसरे पक्ष के धर्मेंद्र एवं वीरेश्वर मौके पर आ गए और हंगामा करने लगे।

तहसीलदार और राजस्व टीम ने विवाद करने से रोका तो दोनों युवकों ने तहसीलदार के साथ ही धक्कामुक्की और अभद्रता शुरू कर दी। इतना ही नहीं देखते ही देखते एक किसान ने तहसीलदार को थप्पड़ मारकर जमीन पर गिरा दिया। ये देखकर राजस्व टीम सकते में आ गई। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने तुरंत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई करते हुए एसडीएम के सामने पेश किया। एसडीएम ने दोनों को जेल भेज दिया।

मायावती ने भतीजे आनन्द को फिर घोषित किया पदाधिकारी

लखनऊ (आभा) । बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार की समीक्षा के लिए रविवार को अहम बैठक की। बैठक के दौरान मायावती अपने भतीजे आकाश आनंद के सिर पर हाथ रख आशीर्वाद देती नजर आईं। इसके कुछ देर बाद मायावती ने आकाश आनंद को फिर उत्तराधिकारी बनाने का ऐलान किया। आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर का पद दिया है। दरअसल, भतीजे आकाश आनंद की रिलांचिंग की तैयारी पहले से चल थी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने समीक्षा बैठक से पहले ही इसका संकेत दे दिया था। मायावती ने बीते दिन शनिवार को भतीजे आकाश आनंद को पंजाब और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया है। बसपा नेता आकाश आनंद को स्टार प्रचार की लिस्ट में दूसरे स्थान पर जगह मिली है।

बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी 20 स्टार प्रचारकों की सूची में उन्हें दूसरे नंबर का स्टार प्रचारक बनाया था। स्टार प्रचारक बनाए जाने से चंद महीने पहले मायावती ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। लोकसभा चुनाव में आकाश आनंद की सबसे अधिक सभाएं भी यूपी में लगाई गईं, लेकिन सीतापुर में चुनावी सभा के दौरान उनके द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद उनके खिलाफ एफआईआर होते ही मायावती ने आकाश के सभी कार्यक्रमों पर रोक लगा दी। इतना ही नहीं मई में राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर पद से हटाने के साथ ही अपने उत्तराधिकारी के दायित्व से भी मुक्त कर दिया।

मायावती ने भले ही आकाश को पदों से मुक्त कर दिया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान उनके द्वारा गए भाषणों ने कॉडर के अंदर एक बड़ा फालोवर खड़ा कर दिया। मायावती द्वारा लोकसभा चुनाव में हार की समीक्षा बैठकों के दौरान मिलने वाले अधिकतर पदाधिकारियों ने आकाश की वापसी की इच्छा जताई थी। इसके बाद से ही माना जाने लगा था कि आकाश जल्द ही सक्रिय राजनीति में नजर आएंगे और पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। इसके बाद शनिवार को पंजाब और उत्तराखंड उपचुनाव में स्टार प्रचारक बनाकर इसके संकेत दे दिए गए । उत्तराखंड और पंजाब उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची सामने आने के बाद आकाश के पुनरू राजनीतिक रूप से सक्रिय होने की चर्चाएं शुरू हो गई और यह माना जाने लगा है कि वह देर–सबेर सक्रिय राजनीति में आ जाएंगे। इसके बाद आज रविवार को मायावती ने बैठक में आकाश की वापसी का ऐलान किया।

मायावती भतीजे आकाश को बसपा में अपने बाद नंबर दो की हैसियत में रखना चाहती है। इसीलिए उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाने के साथ ही लोकसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन क्यूं हटाया गया? पर पार्टी के लोगों का कहना है कि वह आकाश को किसी विवाद में फंसने नहीं देना चाहती हैं। वह यह भी नहीं चाहती हैं कि उनकी लांचिंग खराब हो जाए और चुनाव में हार का ठीकरा उन पर फूट जाए। आकाश पहले भी दूसरे राज्यों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे में उनको अभी दूसरे राज्यों की जिम्मेदारी दी जा रही और धीरे–धीरे वर्ष 2027 में यूपी विधान सभा चुनाव में उन्हें पूरी तरह से लांच किया जाएगा।

प्रेम प्रसंग भारी पड़ा, सीओ से बनाये गये सिपाही

उन्नाव (आभा)। उन्नाव जनपद से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां तैनात एक पुलिस अधिकारी का डिमोशन किया गया। उन्हें डिप्टी एसपी से सीधे कांस्टेबल बनाया गया है। उन्नाव के तत्कालीन सीओ कृपा शंकर कनौजिया की हरकतों के कारण पुलिस की छवि धूमिल हो रही थी। ऐसे में उनका डिमोशन कर अधिकारी से सिपाही बनाया गया है।

उन्नाव के सीओ बीघापुर के पद पर तैनात रहे प्रमोटीपीपीएस कृपाशंकर कनौजिया को पीएसी में सिपाही के उनके मूल पद वापस भेज दिया गया है। तीन साल पहले कानपुर के होटल में महिला सिपाही के साथ पकड़े जाने पर उनको मुख्यमंत्री के आदेश पर निलंबित करने के साथ निरीक्षक के पद पर पदावनत भी किया गया था। उन्हें पीएसी गोरखपुर भेजा गया था।

तत्पश्चात शासन ने विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर डीजीपी मुख्यालय को कृपाशंकर को उनके मूल पद पर वापस भेजने का आदेश जारी करने को कहा। एडीजी प्रशासन के निर्देश पर शनिवार को उन्हें गोरखपुर की 26वीं वाहिनी में वापस सिपाही बना दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, कृपा शंकर कनौजिया ने छह जुलाई 2021 को उन्नाव के पुलिस अधीक्षक से पारिवारिक परेशानी का हवाला देते हुए छुट्टी मांगी थी। छुट्टी मंजूर होने के बाद कृपा शंकर घर नहीं गए थे। वो कानपुर एक होटल में महिला सिपाही के साथ रुके थे।

गनेशपुर नगर पंचायत की निर्माणाधीन दूकानों को बुल्डोजर से ध्वस्त करने का प्रयास विफल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत गनेशपुर के शंकर नगर में निर्माणाधीन दूकानों को बुल्डोजर से ध्वस्त करने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही नगर पंचायत गनेशपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व विधायक दयाराम चौधरी मौके पर पहुंचे और एसडीएम सदर शत्रुघ्न पाठक, बेसिक शिक्षा अधिकारी को बताया कि निर्माण कार्य नियमानुसार हो रहा है और बिना किसी पूर्व सूचना के किस आधार पर निर्माण को बुल्डोजर से ध्वस्त कराया जाने लगा। उन्होने अधिकारियों से कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत सम्पत्ति नहीं है किन्तु पूर्व सांसद के राजनीतिक दबाव में निर्माण कार्य ध्वस्त कराने का षड़यंत्र हुये तो वे चुप नहीं बैठेंगे। मामले में आर–पार की लड़ाई लडी जायेगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी का कहना था कि दूकाने विद्यालय की जमीन पर बनवायी जा रही है इस पर पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि

पूर्व सांसद के इशारे पर हुआ दूकानों को गिराने का षड़यंत्र–दयाराम चौधरी

विद्यालय गनेशपुर नगर पंचायत की जमीन पर बना हुआ है।

घंटो चले विवाद के बाद अधिकारी बुल्डोजर के साथ वापस चले गये।

गनेशपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने बताया कि उन्होने मण्डलायुक्त और जिलाधिकारी को यथा स्थिति से अवगत करा दिया है। बताया कि कुछ लोग गनेशपुर नगर पंचायत क्षेत्र के विकास के विरोधी हैं उनके मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। उन्होने कहा कि विकास कार्यो में राजनीतिक षड़यंत्र बर्दाश्त नहीं होगा। बाद में निर्माण कार्य शुरू हो गया।

नक्सली हमले में दो जवानों का बलिदान

सुकमा (आभा)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की तरफ से नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। जवानों की कार्रवाई से बौखलाए नक्सलियों करतूत सामने आई है। सुकमा और बीजापुर की सरहद पर बसे सिलगेर और टेकुलगुडम के पास नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट करने से कोबरा के दो जवान बलिदान हो गए। जवानों के पार्थिव शरीर को घटना स्थल से निकाला जा रहा है। नक्सलियों ने जवानों के ट्रक पर आईईडी ब्लास्ट किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मामले की पुष्टि की है। इधर, नक्सली हमले की सूचना पर अतिरिक्त बल को मौके पर भेजा गया है। सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है।

रालोद की बैठक में संगठन के मजबूती पर जोर खेती के लिये उठी नहरों में पानी छोड़ने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोकदल की मासिक बैठक रविवार को न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर जिला उपाध्यक्ष श्रीराम मौर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी सगठन की मजबूती के लिये प्रभावी कदम उठाये जाने, अगस्त माह में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जाने, किसान हितों के लिये संघर्ष करने, रजवाहों में कृषि कार्य के लिये पानी डाले जाने हेतु पहल आदि पर विचार किया गया। सर्व सम्मत से अशरफ अली को जिला महासचिव घोषित किया गया।

रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में पार्टी को अपार जन समर्थन मिला। कहा कि अभी से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिये जुट जाने की जरूरत है। मजबूत संगठन, नीति, कार्यक्रम के आधार पर ही जनता का भरोसा जीता जा सकता है। कहा कि किसानों नौजवानों के हितों के लिये पार्टी का रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा। बताया कि पार्टी का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन रूद्दौली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया जायेगा। कहा कि यदि शीघ्र नहरों में पानी न छोड़ा गया तो संगठन पदाधिकारी जिलाधिकारी से मिलकर समस्या के समाधान का आग्रह किया जायेगा।

रालोद की मासिक बैठक में मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, चन्द्रिका प्रसाद, महेन्द्र चौहान, राम कृपाल चौहान, दिनेश कुमार, मुन्नीलाल, इन्द्र बहादुर यादव, रामनाथ चौधरी, आर.एन. पटेल के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

दबंगो ने अधिकारियों की मौजूदगी में बुल्डोजर से ढहवा दिया सीतापति का मकान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पैकोलिया थाना क्षेत्र के सरैया खास गांव में सीतापति पत्नी मनिराम के मकान को जेसीबी. लगाकर ध्वस्त कर दिया गया। सीतापति ने उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र देकर उसी जमीन पर मकान बनवाये जाने और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की गुहार लगाया है। कहा है कि न्याय न मिला तो वह परिवार समेत जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देने को बाध्य होगी।

भेजे पत्र में सीतापति ने कहा है कि वह भूमिहीन है और तत्कालीन जमीदार ने आराजी नम्बर 221 पूर्वजों को घर बनाकर रहने और उपभोग करने को दिया था। आराजी नम्बर 221 से बने हाल आरजी नम्बर 144 ग मिन रक्बा 0.010 हेक्टेयर में दीवाल बनाकर तीन कमरा व पक्का मकान घारी चरन आदि बनाकर जमीन्दारी उन्मूलन के पहले से रहने लगे। यह जमीन और मकान उसके नाम से दर्ज है। पत्र में सीतापति ने कहा है कि गत 19 जून को गांव के ही राजेन्द्र शंकर पुत्र स्वर्गीय राम सुन्दर ने पैसे की ताकत पर षड़यंत्र रचा। उसके मकान और जमीन को हड़पने की नीयत से बिना कोई पूर्व सूचना दिये बुलडोजर लेकर पहुंचे। मौके पर पैकोलिया थाने के साथ ही कई थानों की पुलिस पहुंच गयी और सीतापति, उसकी बेटी उमा, मीना, पुत्र पवन को थाने पर ले आयी और सीतापति के पति मनीराम को बंधक बनाकर उसके मकान को बुल्डोजर से ध्वस्त कराकर उसके घर का अनाज, जेवर , नकदी कुछ भी निकालने नहीं दिया गया। जेवर नकदी कहा हैं उसका कुछ नहीं पता। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में उसके मकान को ढहा दिया गया जबकि उप जिलाधिकारी हर्रैया ने 145 रक्बा 0.029 हेक्टेयर से अवैध कब्जा बेदखल करने का आदेश दिया गया था। पैकोलिया पुलिस ने 151 में सीतापति आदि का चालान कर दिया। जमानत कराकर जब वे लोग अपने घर पहुंचे तो कुछ नहीं बचा था। उनका पूरा परिवार खुले आसमान में गुजर बसर को मजबूर है।

सीतापति ने पत्र में कहा है कि राजेन्द्र शंकर उसकी जमीन के पीछे पेट्रोल पम्प बनवाना चाहते हैं और पेट्रोल के रास्ते के लिये उसके मकान को ध्वस्त करा दिया गया। सीतापति ने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये उसे अपनी जमीन पर मकान बनवाने के लिये गुहार लगाया है।

–अधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार, धरना, प्रदर्शन की चेतावनी

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 जून 2024 सोमवार

सम्पादकीय

परीक्षा माफिया और तंत्र

परीक्षा माफिया पूरे तंत्र पर भारी पड़ रहे हैं। मेडिकल प्रवेश के लिए नीट–यू.जी. तथा यू.जी.सी. नैट परीक्षाओं के पेपर लीक के आरोपों के बीच पूरे देश में हंगामा मचा है। आक्रोषित युवा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उनके भविष्य से खिलवाड़ है। 2 चरणों में हुई नैट परीक्षा को तो अगले ही दिन सरकार ने स्वयं ही रद्द कर दिया। सी.बी.आई. जांच के आदेश भी दे दिए। मगर नीट का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। नीट की 5 मई को हुई परीक्षा रद्द होगी या नहीं, यह अब सुप्रीम कोर्ट को तय करना है।

इन दोनों परीक्षाओं का आयोजन करने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.),(जिसे सोशल मीडिया पर लगातार नैशनल ठगी एजेंसी कहकर उलाहना दी जा रही है) ने नीट पेपर लीक से इन्कार किया है। मगर बिहार और गुजरात के गोधरा से पेपर लीक और फर्जी परीक्षार्थी बैठाने के मामले में 25 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। बिहार पुलिस ने जिन 19 लोगों को गिरफ्तार किया था, उनमें से 2 लोग राजस्थान के थे, जो डमी अभ्यर्थी के रूप में बिहार पहुंचे थे। गुजरात के दाहोद में भी पुलिस ने पेपर आऊट करवाने वाले गिरोह के 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बावजूद न एन.टी.ए. और न केंद्र सरकार यह मानने को राजी है कि नीट–यू.जी. की परीक्षा लीक हुई। हां, यह जरूर स्वीकार किया कि यू.जी. सी. नैट परीक्षा में कुछ गड़बड़ी टैलीग्राम मीडिया पर हुई और प्रश्नपत्र का एक हिस्सा डार्कनैट पर जारी हुआ। (डार्कनैट वैबसाइट गूगल आदि सर्च इंजन और सामान्य ब्राऊजिंग के दायरे से परे होती है।)

असल में पेपर लीक देश में करोड़ों का धंधा है और इस परीक्षा माफिया के तार नेताओं से जुड़े नजर आते हैं। इसलिए हर पेपर लीक के बाद एक जांच कमेटी बना दी जाती है, जो पूरे मामले की लीपापोती करती रहती है। इस तरह हर पेपर लीक ठंडे बस्ते में चला जाता है। यह कोई इन्हीं 2 पेपर लीक की बात नहीं। पिछले 5 सालों में हमारे देश में सरकारी भर्ती से जुड़ीं 45 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। यह पेपर लीक देश के 15 राज्यों में हुए हैं। इससे 1.4 करोड़ अभ्यर्थियों के भविष्य पर असर पड़ा।यह सीधे–सीधे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है। पेपर माफिया खुलकर युवाओं से खेल रहा है और चाहे वह भाजपा की हों या कांग्रेस की सरकारें सुधारने को राजी नहीं है। उत्तर प्रदेश में इसी साल सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हुआ। 60244 पदों के लिए यह परीक्षा 17 और 18 फरवरी को 2 शिफ्ट में हुई थी। पेपर लीक होने के बाद इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया। इससे पहले 11 फरवरी को यू.पी. लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक में परीक्षा केंद्र के प्रबंधक और यू.पी. पुलिस के एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया था।

जम्मू–कश्मीर सर्विस सिलैक्शन बोर्ड ने 2022 में जम्मू–कश्मीर पुलिस में सब इंस्पैक्टर पद के लिए भर्ती परीक्षा कराई थी। इसका पेपर जालंधर की एक प्रिंटिंग प्रैस में छपा और वहीं से लीक हो गया। यह पेपर जम्मू में 10 से 15 हजार रुपए में बेचा गया। यह भी कहा गया कि मुख्य आरोपी ने इसे 15 लाख में बेचा। बाद में इसकी कापियां करके उन्हें 10–15 हजार रुपए में बेचा गया। व्यापम घोटाले के लिए बदनाम मध्य प्रदेश में एम.पी. प्रोफैशनल एग्जामिनेशन बोर्ड की ओर से प्राथमिक शिक्षक पात्रता (वर्ग–3) परीक्षा आयोजित की गई थी। 25 मार्च 2022 को हुई इस परीक्षा के प्रश्नपत्र का कम्प्यूटर स्क्रीन शॉट इंटरनैट पर वायरल हुआ। उसके बाद यह परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसमें प्रदेश भर से करीब 9 लाख 37 हजार उम्मीदवार शामिल हुए थे। इससे पहले एम.पी. प्रोफैशनल एग्जामिनेशन बोर्ड की ओर से 10–11 फरवरी 2020 में कृषि विकास अधिकारी और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के करीब 800 पदों के लिए ली गई परीक्षा में बड़े पैमाने पर अभ्यर्थियों के अंक समान आए थे। इसका प्रश्न पत्र भी इंटरनैट पर वायरल होने पर इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया था। सरकार को इस खतरे को समझते हुए बड़े कदम उठाने होंगे। अगर सरकार अब भी नहीं संभली तो आगे गहरी खाई है। ऐसी खाई से फिर निकल पाना भी आसान नहीं होगा। युवा को जोडने का सपना धरा रह जाएगा और वो सत्ता में रहने के लोगों के शौक को अपनी बर्बादी के साथ उनको भी बर्बाद कर देगा।

इसे कहते हैं कानून का राज

–तनवीर जाफरी–

स्विट्जरलैंड की एक अदालत ने ब्रिटेन के सबसे अमीर भारतीयों में गिने जाने वाले भारतीय मूल के हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को अपने नौकरों के शोषण के मामले में दोषी करार देते हुए उन्हें चार से साढ़े चार वर्ष तक की कारागार की सजा सुनाई है। स्विस प्रशासन इस परिवार द्वारा अपने नौकरों का शोषण किये जाने पर गत 6 वर्षों से नजर रख रहा था। हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने अपने जेनेवा स्थित बंगले में काम करने के लिए भारत से कामगारों को बुलाया और उनका शोषण किया। इस परिवार पर मानव तस्करी के भी आरोप हैं। हिंदुजा परिवार ने अपने नौकरों के पासपोर्ट जब्त कर लिये थे और उन्हें न्यूनतम से भी कम मजदूरी दे रहे थे। साथ ही इन कामगारों के बाहर निकलने व कहीं आने–जाने पर भी हिंदुजा परिवार की ओर से पूरी रोक लगी हुई थी। सरकारी वकील के मुताबिक हिंदुजा परिवार अपने एक कुत्ते पर एक नौकरों से ज़्यादा पैसे खर्च करता था।' मिसाल के तौर पर इस परिवार ने एक नौकरानी जो एक दिन में 18 घंटे काम करती थी उसे तो केवल 7 पाउंड मिलते थे। जबकि स्विस कानून के अनुसार कर्मचारियों को इसके लिए कम से कम 70 पाउंड का भुगतान किया जाना चाहिए था। परन्तु यही परिवार अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हजार अमेरिकी डॉलर खर्च करता था। कई नौकरों को बिना छुट्टी के पूरे सप्ताह काम करना होता था। उन्हें वेतन भी स्विस करेंसी यानी फ्रैंक्स में देने के बजाय भारतीय रुपये में दिया जाता था। हालाँकि यह अदालती फैसला आने के एक सप्ताह पहले हिंदुजा परिवार ने भारी रकम चुकाकर तीन पीड़ित कामगारों से अदालत के बाहर समझौता भी किया था। गौर तलब है कि मूल रूप से भारतीय, हिंदुजा परिवार का लगभग 47 बिलियन डॉलर का कारोबारी साम्राज्य है। हिंदुजा समूह का निवेश मुख्यतः कंस्ट्रक्शन,होटल, कपड़े, ऑटोमोबाइल, ऑयल, बैंकिंग और फाइनेंस जैसे क्षेत्र में है। ब्रिटेन में हिंदुजा परिवार की अनेक बहुमूल्य इमारतें भी हैं। जेनेवा के इस अदालती फैसले ने एक बात तो साबित कर ही दी है कि स्विट्जरलैंड में न केवल कानून का राज है बल्कि वहां का कानून इस बात की भी परवाह नहीं करता कि आरोपी कितना अमीर व कितना रसूखदार है। साथ ही यह भी कि शोषित व पीड़ित वर्ग का व्यक्ति कितना ही गरीब व असहाय क्यों न हो मानवाधिकारों का पक्षधर वहां का कानून उसके साथ है।

अब जरा इसी अदालती फैसले के सन्दर्भ में हम अपने देश के वास्तविक हालात का भी आंकलन करें। भारत सरकार द्वारा बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अनुच्छेद 24 के अनुसार कारखानों , खदानों एवं जोखिम भरे कार्यों में किसी बालक, जिसकी आयु 14 वर्ष से कम हो, नहीं लगाया जायेगा। हमारे देश में बाल संरक्षण कानून के अतिरिक्त विस्तृत श्रम कानून भी बने हुये हैं। इन कानूनों की पालना व इन्हें लागू करवाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर बाकायदा विभाग हैं,विशेष अदालते हैं। गोया पूरी मशीनरी श्रम व बाल संरक्षण हेतु दिखाई देती है जिनपर सैकड़ों करोड़ रूपये खर्च भी होते हैं। परन्तु इन सब के बावजूद धरातलीय स्थिति क्या है यह कौन नहीं जानता। मुख्य मार्ग के ढाबों से लेकर मंत्रियों सांसदों विधायकों व अधिकारियों के घरों तक में श्रम व बाल संरक्षण कानून की धज्जियाँ उड़ती देखी जा सकती हैं। मजदूरों की तो बात छोड़िये अनेक निजी स्कूल्स तक में अधयापकों व अध्यापिकाओं को वेतन कुछ दिया जाता है तो रजिस्टर में दस्तखत अधिक धनराशि लिखकर कराई जाती है। हद तो यह है कि बंधुआ मजदूरी कानून बने होने के बावजूद अभी भी ठेकेदारी प्रथा के तहत तमाम बंधुआ मजदूर काम करते मिल जायेंगे जिन्हें ठेकेदार अपनी मनमानी रकम देकर उनसे 8 से 12 घंटे तक काम करवाता है। ईंट के भट्ठों से लेकर सड़क व भवन निर्माण क्षेत्र में भी ऐसे तमाम मजदूर काम करते देखे जा सकते हैं।

अपने देश में श्कानून का राज श्कितना कायम है यह देखने के लिये आपको दर्जनों ऐसे उदाहरण मिल जायेंगे जबकि किसी जघन्य अपराधी ने सत्ता में आने के बाद अपने ही ऊपर चल रहे आपरधिक मुकददमों को ही वापस ले लिया। यह उदाहरण भी मिलेगा कि सत्ता के करीबी व्यक्ति पर चलने वाला दंगे,फसाद ,बलात्कार व हत्या तक का मुकददमा सरकार द्वारा वापस ले लिया गया। कई बार देश के बड़े बड़े कानूनविद यहाँ तक कि अनेक पूर्व न्यायाधीश यह कह चुके हैं कि देश की जेलें आमतौर पर ऐसे गरीब व असहाय लोगों से भरी पड़ी हैं जो आर्थिक रूप से गरीब हैं और लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ पाने में असमर्थ हैं। भारत में अभी पिछले दिनों हुआ बहुचर्चित पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट मामला भी एक बड़ा उदाहरण है जिसमें दो इंजीनियरों को कुचल दिया गया था। इस मामले में नाबालिग चालक ने दावा किया था कि दुर्घटना के समय उसका ड्राइवर कार चला रहा था। लेकिन जांच में उसका यह बयान झूठा निकला। यहाँ भी पैसे और रसूख के बल पर वह अपने ड्राइवर को पैसों के एवज में जेल भेजकर स्वयं को बचाना चाह रहा था परन्तु चूँकि मीडिया ने इस मामले को तूल दे दिया था और कार का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था,उधार कुचले गए दो व्यक्ति भी इंजीनियर थे इसलिये जाँच निष्पक्ष करनी पड़ी और रसूखदारों की साजिश धरी रह गयी। परन्तु उनका यह दुस्साहस स्वयं यह बताता है कि भारत में ऐसा संभव है कि रसूखदार स्वयं को बचने के लिये अपने ड्राइवर या नौकर को आगे कर देते हैं।

याद कीजिये फरवरी 2022 में जब सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने कहा था कि– श्जवाहर लाल नेहरू का भारत ऐसा बन गया है जहां मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में लगभग आधे सांसदों के खिलाफ बलात्कार और हत्या के आरोप लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इनमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।श उस समय प्रधानमंत्री ली सीन लूंग द्वारा भारतीय सांसदों को लेकर दिए बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने आपत्ति भी जताई थी। परन्तु क्या हम इस सवाल से बच सकते हैं कि विदेशी सांसदों में भारत के बारे में ऐसी शर्मनाक टिप्पणियों की नौबत ही क्यों आती है ? क्या पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश और दुनिया ने यह नहीं देखा कि किस तरह विपक्षी दलों के नेताओं यहाँ तक कि मुख्यमंत्रियों तक को भ्रष्टाचार के मामलों में निशाना बनाते हुये उन्हें जेल भेजा गया ,अनेक नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापेमारियां की गयीं। परन्तु जब वही अपराधी सत्ता की शरण में चला गया तो उसे मंत्री या सांसद बनाकर महिमामंडित किया गया ? ऐसी सरकार व उसके अंतर्गत चलने वाले शासन प्रशासन से आखिर कानून का राज स्थापित होने की हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? हिंदुजा परिवार को लेकर स्विट्जरलैंड की अदालत से आया फैसला क्या हमें यह सोचने के लिये मजबूर नहीं करता कि अपने देश में कानून का राज स्थापित करने को लेकर आखिर हम कब आत्मावलोकन करेंगे ?

राजनीति के खेल निराले

–डी.पी. चंदन–

सोचा क्यों न यह लेख खुद की विचारक राजनीतिक सोच, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आत्मिक लेखक की खुद्दारी से ओत–प्रोत हो राजनीतिक दलों में पनपे दूषित धड़ेबंदी सिस्टम व निजी महत्वाकांक्षा केंद्रित राजनीतिक सोच पर निष्पक्ष चोट करने हेतु उसी भावना से लिखा जाए? धड़ा तो द्वापर में भी था लेकिन महाभारत में श्री कृष्ण सारथी के रूप में पांडवों के साथ धर्म की अधर्म पर पताका लहराने की जिद के कारण ऐन महाभारत के मैदान के बीचों–बीच सुशोभित थे। कलयुग में सतयुग की कामना मिथ्याभाव लगती है। आज कलयुग में कोई कल्कि अवतार खुद अवतरित होकर भी राजनीति में अवसरवादी धड़ेबंदी में धर्म की अलख जगा इससे निजात दिला सकता है क्या? यह बीमारी सभी दलों में व्यापक रूप से स्थापित है बनिस्बत उनके जो मूल संगठन विचारधारा की सोच पर पहरा देने का दम तो भरते हैं लेकिन दिन–ब–दिन व्यक्तिगत केंद्रित महत्वाकांक्षी रोग के कारण जाने–अनजाने वह भी इसका शिकार बनते जा रहे हैं जिससे मौकापरस्त व राजनीतिकर्त्ता,कुटिल चालों व बनावटी छलकपट से सच्चे संगठनकर्त्ताओं को गुमनामी के अंधेरों में धकेलने में अक्सर कामयाब हो जाते हैं।

क्योंकि मजबूत मौकापरस्त धड़ेबंदी के कारण अपना अभेद्य किला बनाने व उसके संरक्षण के लिए कवच व ढाल के कारण इस जटिल चक्रव्यूह को तोडने की क्षमता सीधे–सीधे समघ्पत संगठनकर्त्ता मेहोती नहीं, न ही उनका कोई धड़ा होता है जो उनको संरक्षण दे सके क्योंकि विशुद्ध रूप से वह संगठन धर्म करता होता है? यह बीमारी धड़ेबंदी के कारण ज्यादातर दलों के सिस्टम में विकराल रूप धारण करती जा रही है? राष्ट्र निर्माण में बाधक जातिगत धड़ेबंदी चुनावों ने चाहे मोदी सरकार की बाइज्जत वापसी तो कर दी है लेकिन मोदी के विजन व उसके उद्देश्य व निष्पक्ष मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास को हकीकत में बहुत गहरी चोट पहुंचाई है। वह सच्ची लगन से सबको साथ लेकर विकास की डगर पर तो अग्रसर रहे लेकिन जातियों में बंटे समाज को अथक प्रयास के बावजूद भी राष्ट्र व सांस्कृतिक भाव में उस तीव्रता से पिरोने में कामकाज नहीं हुए जिसका सपना जितनी तीव्र तीक्ष्णता से उन्होंने संजोया था।

कुछ ऐसे महत्वाकांक्षी कारण हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष रूप से मोदी सरकार के बढ़ते वर्चस्व को ब्रेक लगाकर खुद के पंख खोलकर खेलने का मन बना लिया हो? भाजपा की यू.पी. में यह स्थिति धड़ेबंदी के कारण तो नहीं? या समाज में बदलाव लाने की चेष्टा के कारण भारत के निरंतर बढ़ते कद से ऊबकर नए प्रयोग को आमादा हो गया राष्ट्रीय सरोकार सामाजिक पहचान खोने के डर से विपक्षी अनर्गल प्रचार के कारण बौना हो गया? धर्म को बचाने के लिए चाहे सामाजिक हो, संगठनात्मकहो धड़ेबंदी जरूरी है लेकिन राष्ट्र धर्म को दरकिनार कर घटिया राजनीतिक सोच से खुद व समाज का वर्चस्व बढ़ाने का अहंकार जानलेवा साबित होता है। काश मेरा अंदेशा गलत साबित हो? पंजाब में कुछ राजनीतिक दल इन चुनावों में अनुकूल विशेष परिस्थितियों के बावजूद यथासंभव स्थान पाने से वंचित रहे? क्या उच्च स्तरीय प्रचार रणनीति की विशेष सीटों तक ध्यानाकर्षक रुचि के कारण दूसरी जीत सकने वाली फंसी हुई सीटों को खमियाजा भुगतना पड़ा? क्या नतीजन अनुकूल उपजी विशेष परिस्थितियों को भुनाने में पार्टियां कामयाब नहीं रहीं? कुछ टिकटधारियों की जमीनी परिस्थितियों की हकीकत का सच्चा आकलन शायद भविष्य में भूल–चूक से बचने हेतु विश्लेषण के विषय रहे? शायद कुछ सीटों पर उम्मीदवारों के संगठन कार्यकर्त्ताओं से मधुर जुड़ाव के अभाव ने विजयश्री से उनको कोसों दूर कर दिया? समस्त खामियों को नजरअंदाज कर दलों के कार्यकर्त्ताओं ने जी जान लगा दी लेकिन जिनको संगठन धर्म से ज्यादा खुद का धड़ा पसंद था, ने कार्यकर्त्ताओं की उम्मीदों पर गहरा वज्रपात कर ऐसे हालात पैदा कर दिए।

भगवान श्रीकृष्ण ने तो महाभारत में धर्म की रक्षा हेतु पांडवों के धड़े के साथ खड़े होने की हिम्मत दिखाई लेकिन क्या कोई इस कलयुग में निरूस्वार्थ भाव से कटिबद्ध हो अलग अलग दलों के संगठनकर्त्ता का शोषण रोकने हेतु अधर्मी धड़ों के अभेद्य वर्चस्व को तोडने की हिम्मत दिखा पाएंगे? धड़े वर्चस्वता के चलते टिकट तो दिला सकते हैं लेकिन जीत किसी व्यक्ति विशेष की मकबूलियत के बलबूते तभी संभव है जब आप खुद कार्यकर्त्ताओं व आमजन से स्नेहपूर्ण स्वभाव के विशिष्ट गुण से युक्त हों? प्यार धड़े से नहीं धर्म से होना चाहिए जो सदा सजीव है.. विश्लेषक होने के नाते मेरा मानना है कि लोकतांत्रिक विधि से संगठन धर्म मर्यादित धड़े को उसी भाव से अधर्मी धड़ों का यथार्थ संगठित होकर आपने दलों के हाईकमान के संज्ञान में लाकर सच्चे संगठन धर्म का पालन करना चाहिए?–

प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलित दोहन

–संजीव ठाकुर–

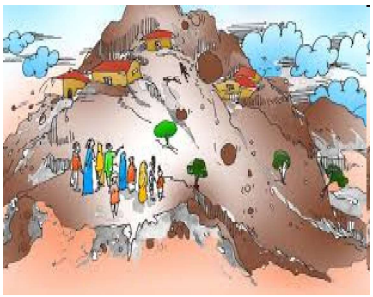

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई–मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। **विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए।** इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ–साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ–सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है,

जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना,
पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी140 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

सपा सांसद राम भुआल निषाद गिरफ्तार, बोले- लाशों की राजनीति करते हैं संजय निषाद

संवाददाता–देवरिया। दीपू निषाद हत्याकांड को लेकर सियासत गरम हो गई है। शनिवार को पीड़ित परिवार से मिलने गांव में पहुंचे मंत्री संजय निषाद के सामने वहां बवाल शुरू हो गया था। गुस्साए लोगों ने हत्यारोपी ग्राम प्रधान के घर हमला बोल दिया था। पुलिस ने इस मामले में 69 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। रविवार को सपा सांसद रामभुआल निषाद की अगुवाई में मौके पर जा रहे सपा के प्रतिनिधि मंडल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

हिरासत में लेने के बाद पुलिस सपा नेताओं को लेकर जिला मुख्यालय आ गई। दीपू निषाद हत्याकांड के राजनीतिक रूप से तूल पकड़ने के बाद से बिहुलपुर में पुलिस अलर्ट है। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले दीपू निषाद की 14 जून की रात हत्या कर दी गई थी। 15 जून को उसका शव गांव के निर्माणाधीन अस्पताल के परिसर में मिला था। शनिवार को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद बिहुलपुर पहुंचे थे। जिसके बाद उग्र भीड़ ने घटना के हत्यारोपी ग्राम प्रधान के घर पर हमला बोल दिया था। जिसके बाद गांव में तनाव बढ़ गया था।

इसी बीच रविवार को सपा नेताओं के प्रतिनिधि मंडल को बिहुलपुर पहुंचना था। जिसे लेकर सुबह से ही पुलिस बिहुलपुर गांव समेत रुद्रपुर तक अलर्ट थी। जैसे ही सपा नेताओं का प्रतिनिधि मंडल रुद्रपुर बाईपास पर पहुंचा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। इस दौरान सपा नेताओं ने पांच लोगों को गांव में जाने देने की अनुमति से मांगी लेकिन पुलिस ने माहौल बिगड़ने का अंदेशा बताते हुए उनकी मांगों को नामंजूर कर दिया। इसके बाद पुलिस सभी सपा नेताओं को हिरासत में लेकर जिला मुख्यालय चली गई। प्रतिनिधि मण्डल में सुल्तानपुर से सपा के सांसद रामभुआल निषाद, सपा जिलाध्यक्ष देवरिया व्यास यादव, कृष्णभान सिंह उर्फ किसान सिंह सैंथवार, चौधरी राम लौटन निषाद, पूर्व विधायक डॉ.मोहसिन खां व सन्तोष यादव शामिल थे।

रिश्तेदारी में आए युवक की फंदे से लटकी मिली लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। फूफा के घर रह रहे एक युवक का शव कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी ई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवीन मार्डन थाना श्रवास्ती के झंझार पुरवा गांव में रविवार सुबह फूफा के घर रह रहे बहराइच जनपद के थाना पयागपुर स्थित परना खजुरार निवासी आनन्दराज उर्फ संदीप (27) पुत्र अयोध्या प्रसाद का शव फांसी के फंदे से लटका पाया गया। बताया जाता है कि आनन्दराज करीब तीन साल से फूफा के घर ग्राम पंचायत बिढुहनी के मजरा झंझारपुरवा में रहकर किराने की दुकान करता था। शनिवार सुबह वह अपने घर ग्राम परना खजुरार गया था और शाम को वापस लौट आया था। रात में खाना खान के बाद आनन्दराज अपने फुफेरे भाई तारा चन्द्र राव के साथ घर के आगे कमरे में स्थित दुकान के बाहर सो गया था। सुबह पांच बजे जब तारा चन्द्र की आंख खुली तो आनन्द अपने बिस्तर पर नहीं था और दुकान का दरवाजा खुला हुआ था। इस पर फुफेरा भाई तारा चन्द्र राव दुकान के अंदर जाकर देखा तो आनन्द राज की लाश छत के पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटक रही थी। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस व फारेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया। इसके बाद पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर रही है।

सोहगीबरवा सेंक्चुरी में 339 सारस पक्षी का परवाज

संवाददाता–महराजगंज। राजकीय पक्षी सारस को सोहगीबरवा सेंक्चुरी की आबोहवा रास आ रही है। दो दिवसीय गणना में सोहगीबरवा सेंक्चुरी में 339 सारस मिले हैं। गणना के बाद सारस की रिपोर्ट डीएफओ ने उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

सारस की मौजूदगी वाले क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों को वन विभाग राजकीय पक्षी के संरक्षण के लिए जागरूक कर रहा है। राजकीय पक्षी सारस के संरक्षण व संवर्धन के लिए शासन के निर्देश पर वन विभाग ने 20 व 21 जून को जिले में सारस गणना कराया। इसके लिए सभी वन कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। पक्षी प्रेमी भी अभियान में शामिल हुए थे। दो दिन तक चले अभियान में सारस गणना की प्रारंभिक रिपोर्ट आ गई है। सेंक्चुरी के सभी सात रेंज में 339 सारस पक्षी मिले हैं।

दो दिवसीय चले सारस गणना में सबसे अधिक 83 सारस लक्ष्मीपुर रेंज में मिले हैं। पिछले साल शीतकालीन गणना में लक्ष्मीपुर रेंज में 82 सारस मिले थे। पकड़ी रेंज में भी 66 सारस मिले हैं। पिछले साल गणना में 42 सारस व उनके 13 बच्चे पकड़ी रेंज में मिले थे। दक्षिणी चौक रेंज में 36 सारस हैं। पिछले 33 सारस व 10 बच्चे मिले थे। निचलौल रेंज में 40 सारस, उत्तरी चौक रेंज में 54 सारस, मधवलिया रेंज में 56 सारस, शिवपुर रेंज में चार सारस मिले हैं।

पिछले साल शीतकालीन गणना में जिले में कुल 347 सारस मिले थे। इसमें 300 व्यस्क सारस व 47 सारस के बच्चे शामिले थे। इस बार कुल 339 सारस मिले हैं। पिछले गणना की तुलना में इस बार आठ सारस कम मिले हैं। वन विभाग का कहना है कि यह प्रारंभिक रिपोर्ट है। अभी मानसूनी बारिश शुरू नहीं हुई है। अधिकांश पोखरे सूखे हैं। बड़े–बड़े वेटलैंड के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में सारस दिख रहे हैं।

नवीन प्रकाश शाक्य, डीएफओ सोहगीबरवा सेंक्चुरी ने कहा कि शासन के निर्देश पर जिले में दो दिवसीय सारस गणना कराई गई है। इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट आ गई है। कुल 339 सारस पक्षी मिले हैं। जिन क्षेत्रों में सारस दिखे हैं, वहां आसपास के ग्रामीणों को उसके संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। सारस किसानों के मित्र पक्षी हैं। रिपोर्ट के आधार पर सारस संरक्षण का अभियान चलाया जाएगा।

मनुष्य को अपनी रुचि, संस्कार अनुरूप धर्म का वरण करना चाहिए –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अवध धाम के मणिराम दास छावनी सेवा ट्रस्ट के पागल बाबा हाल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा द्वितीय दिवस कथा में व्यास पीठ से आचार्य राधेश्याम शास्त्री महाराज ने बताया कि धर्म इतना विशाल है कि उसके समस्त अंगों का पालन करना असंभव तो नही किन्तु कठिन अवश्य है।तब मनुष्य को अपनी रुचि संस्कार और स्वभाव के अनुरूप धर्म के किसी विशेष पक्ष का वरण करना पड़ता है। उसे श्रद्धा पूर्वक करने पर धर्म का वह अंग,पनिष्ठा के रूप ग्रहण कर लेता है।जिस व्यक्ति ने निष्ठा पूर्वक धर्म के किसी भी स्वरूप का वरण कर लिया है,वही उसके लिए सर्वश्रेष्ठ धर्म है।आज के आधुनिकता भरे युग में श्रीमद्भागवत और रामचरित मानस के उपदेशों की प्रासंगिकता के औचित्य पर तथाकथित बुद्धिमान वर्ग प्रश्न चिन्ह लगा सकता है।किन्तु शास्त्र, शासन के लिए बने हैं लोगों के मनमाने और उच्छृंखल प्रवृतियों के समर्थन के लिए नही बने है।भगवान श्रीराम, जनकनंदिनी को सास–ससुर की सेवा करने के लिए यदि कहते हैं तो श्रीकृष्ण भी गोपियों से घर लौटकर, परिजनों को प्रसन्न करके अपने कर्तव्य पालन का उपदेश देते हैं।वे यह तो कह ही नहीं सकते थे कि कर्तव्य पालन करते हुए,जीव को उनसे प्रेम नहीं करना चाहिए।क्योंकि संसार के समस्त जीव,पशु,पक्षी तक उनसे प्रेम करते हैं।वे कहते हैं कि्यहां तक आकर तुमने अपनी भावनामयी वृत्तियों का परिचय दे दिया।अब तुम्हें लौटकर अपने कर्तव्य कर्म का पालन करना चाहिए।कथा विश्राम के बाद मुख्य यजमान विनोद कुमार सिन्हा, मदन कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार सिन्हा विमलेश कुमार सिन्हा अंनूप कुमार सिन्हा ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया यह समस्त परिवार गोमो धनवान झारखण्ड से अयोध्या धाम में पधारे हुए है।

भाजपाइयों ने मनाया डॉ. मुखर्जी का बलिदान दिवस

संवाददाता–बलरामपुर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर जिले भर के बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपाइयों ने डॉ. मुखर्जी को याद करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

तुलसीपुर के बूथ संख्या 384 पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने पुष्प अर्पित किया। भारत की अखंडता के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर मनोज सिंह, शिव कुमार वाल्मीकि, राधेश्याम वर्मा, अशोक यादव, नन्दलाल पासवान मौजूद थे। भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल, पूर्व विधायक गैरूड़ी शैलेश कुमार सिंह शैलू, बृजेन्द्र तिवारी, वरुण सिंह मोनू, बिंदू विश्वकर्मा, अवधेश तिवारी तरुण, अवधेश पांडेय सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसी क्रम में विधायक राम प्रताप वर्मा ने उतरौला में चौराहे पर लगी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। विधायक राम प्रताप वर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का आज बलिदान दिवस है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ कश्मीर सत्याग्रह के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जो अभियान शुरू किया, इसके लिए उन्हें अपने प्राणों को त्यागना पड़ा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रमेश जायसवाल, नगर अध्यक्ष चन्द्र भूषण माथुर, महामंत्री विकास गुप्ता, सुरेंद्र कृष्ण श्रीवास्तव, फरींद्र गुप्ता, सभासद विजयपाल वर्मा, नवीन जयसवाल समय अन्य भाजपाई मौजूद रहे।

एसपी ने 40 ग्राम प्रहरियों को वितरित किया साइकिल

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन सभागार में रविवार को एसपी की ओर से ग्राम प्रहरियों के साथ गोष्ठी की गई। एसपी ने गोष्ठी में शामिल हुए सभी ग्राम प्रियों से उनकी समस्या सुनी और समाधान के लिए संबंधित को निर्देशित किया। इस दौरान एसपी की ओर से ग्राम प्रहरियों को साइकिल का वितरण किया गया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस विभाग के अभिन्न अंग है। गांव स्तर पर बहुत सारी समस्याएं होती हैं। जिनको आप लोग सतर्क रहकर तत्काल संबंधित थाने पर सूचित करें। सभी लोग अपने पास थाना प्रभारी, बीट पुलिस अधिकारी सहित उच्चाधिकारीगणों के मोबाइल नंबर अपनी डायरी व मोबाइल में अवश्य फीड करें। जिससे कोई समस्या हो तो तत्काल फोन पर अपने अधिकारियों को समय से अवगत कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सतर्क नजर रखें और अवैध शराब बनाने व क्षेत्र में माहौल खराब करने वाले अराजक तत्वों की सूचना दें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक की ओर से विभिन्न थाना क्षेत्र के 40 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित करते हुए साइकिल प्रदान किया गया। इसमें कोतवाली भिनगा से 11 ग्राम प्रहरी, थाना सिरसिया से सात, थाना गिलौला से एक, थाना सोनवा से चार, थाना इकौना से सात, थाना श्रावस्ती से दो, थाना गिरण्ट से एक, थाना मल्हीपुर से सात ग्राम प्रहरियों को साइकिल वितरित किया गया। इस मौके एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

वाटर लेबल नीचे जाने से पम्पिंग सेट नहीं उठा रहे पानी

संवाददाता–बहराइच। जून में पड़ रही भीषण गर्मी से भूगर्भ का जल लगातार सूख रहा है। तराई के आस–पास इलाकों का वाटर लेवल गिरता जा रहा है। जिससे बोरिंगें पानी नहीं उठा पा रही हैं। नवाबगंज ब्लॉक इलाके में भीषण गर्मी के कारण भू गर्भ का भी पानी नीचे चला गया है। जिससे चरदा, जमोग, बाबागंज, बरवलिया, बाबाकुट्टी, अर्गेय्या चौराहा सहित ग्रामीण क्षेत्रों का वाटर लेवल भी नीचे गिर गया है। सौ फिट से कम बोर वाली बोरिंगों से पानी की जगह सिर्फ हवा आ रही है। जलस्तर घटने के कारण पंपिंग सेट को पानी उठाने में दिक्कत आ रही है। कई किसान लेवल पाने के लिए जमीन के नीचे गड्ढे खोद कर पम्पिंग सेट नीचे करकर पानी उठाने का प्रयास कर रहे हैं। किसान महेश ने बताया कि बोरिंग 100 फीट तक की लगी हुई. जो पानी नहीं उठा पा रही है। तीसरे या चौथे लेवल का पानी जिन बोरिंगों का बोर डेढ़ सौ से अधिक है, ऐसी बोरिंग से अब भी पानी निकल रहा है। किसानों ने बताया कि पंपसेट के पानी न उठाने से नर्सरी लगाने का समय पिछड़ रहा है।

महंत उमाशंकर की अध्यक्षता में मनाई गई कबीर साहब की जंयती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर महोबरा बाजार में शनिवार को सदगुरु कबीर साहेब की 627वीं जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। जयंती समारोह पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कबीर मठ जियनपुर के अध्यक्ष व महंत उमाशंकर दास ने कहा कि कबीर साहेब मानवता जीवी व राष्ट्रीय एकता के प्रतीक थे। उनको शांतिमय जीवन प्रिय था और वे अहिंसा, सत्य, सदाचार आदि गुणों के प्रशंसक रहे। अपनी सरलता, साधु स्वभाव तथा संत प्रवृत्ति के कारण आज विदेशों में भी उनका समादर हो रहा है। कबीर साहेब सिर्फ मानव धर्म में विश्वास रखते थे। ष्पाहन पूजे हरि मिलैं, तो मैं पूजौं पहार। कबीर एक संत कवि व समाज सुधारक थे। उनका उद्देश्य समाज को सुधारना, जागरुक करना व सभ्य बनाना था। सामाजिक कुरीतियों, आडंबरों को दूर करना ही कबीर दास का मूल उद्देश्य था।सद्गुरु कबीर साहेब मानवता के परम आदर्श हैं। समिति के मंत्री विवेक ब्रह्मचारी ने कहा कि संत कबीर का सच्चा दर्शन न केवल मानवीय और दैवीय प्रकृति का है, बल्कि सामाजिक और नैतिक प्रकृति का भी है। संत कबीर के दर्शन में सद्भाव, समानता और भक्ति सभी महत्वपूर्ण विषय हैं। सेवा के अर्थ के साथ समर्पण का पहलू उनके विचारों में प्रमुख है। गौर बाजार बस्ती के ब्लाक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला ने कहा कि कबीर का मुख्य उद्देश्य सामाजिक भेदभाव और आर्थिक शोषण को रोकना था। उनका सबसे महान ग्रन्थ बीजक है। सदगुरु कबीर साहेब ने परम संतरूप में प्रकट होकर अपनी सहज–सरल एवं गहन–गम्भीर वाणियों के द्वारा जो सदाचार, सत्यज्ञान तथा मोक्ष का सदुपदेश किया। उससे निस्संदेह मानवता को असीम सुख एवं अपार बल मिला।समाजसेवी परमात्मा प्रसाद चक्रवर्ती ने कहा सद्गुरु कबीर साहेब का उपदेशित ज्ञान ऐसा चमत्कारी है कि जो उसे ठीक से ग्रहण करता है, वह उसके घट के पट खोलकर उसे नया मुक्त एवं श्रेष्ठ जीवन प्रदान करता है। सम्पूर्ण मानवता को उन्होंने अपने शब्दों में समेटा है। उनकी समस्त शब्द–वाणियां मानव–कल्याण के दिव्य सूत्र हैं। इससे पहले उपस्थित जनों ने सद्गुरु कबीर साहेब के चित्रपट पर माल्यार्पण किया। कबीर मठ के महंत उमाशंकर दास द्वारा पधारे हुए अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। जयंती समारोह में सीओ यातायात डॉ. राजेश तिवारी, बड़हरा कबीर आश्रम गोंडा के संत राधेश्याम दास, काठमांडू नेपाल के संत संतोष दास, महंत चेतन घटौलिया गोंडा, रवींद्र दास, हेमंत दास, डॉ. अनूप कुमार जायसवाल, प्रदीप वर्मा, डॉ. बालकराम निषाद, डॉ. विवेक तिवारी, विजय चौधरी, अमरनाथ वर्मा, राममूरत चौबे, अजीत यादव, राजेश आर्य, आनंद वर्मा, राजकुमार यादव, प्रधानाचार्य निर्मल कुमार वर्मा, रामअभिलाख वर्मा, अमरनाथ यादव आदि मौजूद रहे।

तीन महीने भी नहीं चल सके लाखों के वाटर कूलर

संवाददाता–श्रावस्ती। लोगों को शीतल व शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए नगर पंचायत में वाटर कूलर लगाए गए हैं। लाखों खर्च कर लगाए गए वॉटर कूलर तीन महीने में जवाब दे रहे हैं। इससे लगाए गए वाटर कूलरों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

नगर पंचायत इकौना में करीब ढाई महीने पहले अलग अलग स्थानों पर सात वॉटर कूलर लगाए गए हैं। जिससे लोगों को शीतल व शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का उद्देश्य है। लेकिन ढाई महीने में ही वाटर कूलर जवाब दे गए हैं। कोई बंद पड़ा है तो किसी में पानी ठंडा नहीं हो रहा है। किसी किसी वॉटर कूलर में मोटर तो चल रहा है लेकिन पानी कूलर तक नहीं पहुंच रहा है। अंम्बेडकर नगर के शीतला माता मंदिर परिसर में लगा वाटर कूलर 15 दिनों से खराब और बंद पड़ा है। उपाध्याय तिराहे पर लगाया गया वाटर कूलर महीनों से बंद पड़ा है। लोगों का कहना है कि यह वॉटर कूलर लगने के दूसरे दिन ही खराब हो गया था। तब से जिम्मेदारों ने सुधि नहीं ली है। इसी तरह पांच पीरान जामा मस्जिद, घोषी मस्जिद में लगा वाटर कूलर में भी समस्या है। यही हाल महावीर नगर स्थित सिकली मस्जिद के बाहर लगे वाटर कूलर का है। जिससे ठंडा पानी नहीं निकल रहा है। आजाद नगर में जंगली घर के सामने व मनिहारी मस्जिद के पास लगाया गया वाटर कूलर भी ठंठा पानी नहीं दे रहा है। वॉटर कूलरों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष ने जनसूचना मांगी थी लेकिन अभी तक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। व्यापार मंडल अध्यक्ष कन्हैया कसौधन ने बताया की पेयजल आपूर्ति की जन सूचना मांगी है। जिसका समय बीत जाने के बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। अपील एडीएम को भेजी गई है। यदि उनकी ओर से भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो राज्य सूचना आयोग में शिकायत की जाएगी।

राजूदास के प्रकरण में मझधार में फंसी भाजपा बड़े नेता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं

संवाददाता–अयोध्या। हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास और डीएम नितीश कुमार के बीच हुई बहस और सुरक्षा हटाए जाने के प्रकरण में भाजपा मझधार में फंस गई है। पार्टी के बड़े नेता इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। जबकि कार्यकर्ता आत्म सम्मान का सवाल उठा रहे हैं। संगठन ने इस मसले पर प्रदेश अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। इन सबके बीच सोशल मीडिया पर बहस का दौर थम नहीं रहा है। प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही और जयवीर सिंह की मौजूदगी में सरयू अतिथि गृह में पुजारी और डीएम के बीच हुई तनातनी पर चर्चाओं का दौर थम नहीं रहा है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासनिक अधिकारियों और आम लोग इसी बात पर चर्चा कर रहे हैं कि अब आगे इस पर क्या होगा? इस बीच राजू दास, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से मिलकर पूरे मामले पर अपना पक्ष रख आए हैं। उधर, डीएम पहले ही स्वीकार कर चुके हैं कि पुजारी के आपराधिक प्रवृत्ति का होने के चलते उन्होंने उनके साथ बैठने से मना कर दिया था। –घटना के चार दिन बाद भी सोशल मीडिया पर पक्ष और विपक्ष में बयानबाजी जारी है। उदाहरण के तौर पर भाजपा से जुड़े एक व्यापारी नेता अपनी पोस्ट में लिखते हैं कि पुजारी राजू दास के प्रकरण में पता चल जाएगा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ है कि अधिकारियों के साथ। इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स को चेक करने पर पता चलता है कि पार्टी के भीतर ही इस मामले को लेकर कितनी बेचौनी है। कोई कहता है कि कार्यकर्ताओं के मान–सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया तो गलत संदेश जाएगा। कई ऐसे लोग भी रहे जो राजू दास के खिलाफ थानों में दर्ज एफआईआर की कॉपी शेयर कर रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह से जब पूछा गया कि इस चर्चित मामले में पार्टी का क्या स्टैंड है तो उन्होंने बताया कि संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है। इसमें सभी बातों का उल्लेख किया गया है। अब पार्टी नेतृत्व को निर्णय करना है, हमने अपना काम कर दिया है।

ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक सवारों को रौंदा, दो की मौके पर हुई मौत

संवाददाता–बलरामपुर। सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। इस घटना में एक ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। जिले के हरिहरगंज–बरदौलिया मार्ग पर धंधरा पेट्रोल पंप के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक सवारों को रौंद दिया। बाइक सवार पुरुष और महिला की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है।

ललिया थाना क्षेत्र के ग्राम सिकटिहवा निवासी संजय कुमार वर्मा (35) शनिवार की रात करीब 10 बजे गांव की ही महिला सुमन (28) का इलाज कराने के लिए अपनी बाइक से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा जा रहे थे। रास्ते में धंधरा पेट्रोल पंप के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक सवार को रौंद दिया। घटना में संजय व सुमन की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के भाई सुभाष कैराती की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वाहन चालक की तलाश की जा रही है। दो लोगों की मौत से गांव में मातम का माहौल है।

नहर में डूबकर बुजुर्ग महिला की मौत

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के ग्राम भदैय्या टेपरा गांव में शौच को गई बुजुर्ग महिला के नहर में डूबने से मौत हो गई। महिला का शव पहाड़ापुर के पास नहर में उतराता हुआ मिला है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार संजय गुप्ता ने बताया कि थानाक्षेत्र के ग्राम भदैय्या टेपरा की रहने वाली 65 वर्षीय महिला मुन्नी देवी पत्नी रामसागर रविवार को अपने घर से सुबह बिना किसी को बताए गांव से कुछ दूरी पर सरयू नहर की ओर गई थीं। मृतका के घर वालो की मानें तो उनको पेट दर्द और दस्त की शिकायत थी। संभवतः वह शौच के लिए नहर किनारे गई थी। इसी दौरान उनकी नहर में डूबने से मौत हो गई।

नहर में काफी पानी होने व बहाव तेज होने के कारण शव बहकर सुखराज सिंह टेपरा पहाड़ापुर के पास उतराता हुआ देखा गया। मृतका के पुत्र बच्चा राम की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री पर अभ्रद टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एवं बाबा बागेश्वर धाम के प्रति सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो एवं अभद्र भाषा टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए थाना कोतवाली गैंसड़ी में तहरीर दी गई है। आरोपी के खिलाफ शिवकुमार गुप्ता निवासी ग्राम जमघरा ने दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि थाना कोतवाली गैंसड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत जमघरा निवासी 24 वर्षीय अजहरुद्दीन पुत्र रजीउद्दीन ने शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बागेश्वर धाम के खिलाफ अश्लील फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है जिससे लोगों में आक्रोश एवं तनाव है।

कार्यालय, नगर पंचायत बनकटी, जनपद-बस्ती

पत्रांक 47 /न0पं0ब0/2024–25/ दिनांक 22–06–2024

सार्वजनिक सूचना

नगर पंचायत बनकटी सीमान्तर्गत स्थित स्ट्रीट फूड वेन्डर, पान स्टॉल, खाद्य पदार्थों के विक्रेताओं आदि को सूचित किया जाता है कि आप सभी अपने अपने प्रतिष्ठानों में उत्पादित होने वाले अपशिष्ठ पदार्थों को एकत्रित करने हेतु हरे एवं नीले रंग के प्र्याप्त क्षमता के दो डस्टविन को अनिवार्य रूप से रखें तथा डस्टबिन में एकत्रित होने वाले अपशिष्ठ को पंचायत के वाहनों में उपलब्ध कराये ताकि आपके प्रतिष्ठान में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ठ पदार्थों को सार्वजनिक स्थानो पर फेंके जाने से गंदगी उत्पन्न न हो तथा यह भी सुनिश्चित करें कि आपके आस–पास के 10 मीटर के परिधि में किसी भी प्रकार की गंदगी सार्वजनिक स्थलों पर पायी जाती है तो उस क्षेत्र के सम्बन्धित समीपस्थ दुकादार/वेन्डर के विरूद्ध सुसंगत नियमों के अन्तर्गत दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यदि कोई अन्य व्यक्ति गंदगी करता है तो उसकी सूचना नगर पंचायत के मो० न० 7652088002 पर सूचित करें।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बनकटी बस्ती

अध्यक्ष नगर पंचायत बनकटी बस्ती

पत्रांक– /एस०बी०एम०/न०पं०ब०/ 2024–25 दिनांक:– /06/2024

रात में खाना खाकर सोई दो बहने मृत मिली, तीसरी गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव थानाक्षेत्र स्थित बैदोली बाबू गांव में सुबह बड़ी घटना हो गई। एक घर में रह रही तीन बच्चियों में दो की मौत हो गई और एक गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। लोग जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, पुलिस को मौके से एक लोटे में जहरीले पदार्थ का खाली डिब्बा मिला है। फॉरेंसिंग की टीम इसे सील कर अपने साथ लेते गई है।

बैदौली बाबू गांव में रोहित जायसवाल का घर है। वो अपने पत्नी के साथ बंगलुरू में रहते हैं। इनकी तीन बच्चियां, पलक(6), रीति(12) और अप्सरा(14) अपने मौसी के यहां रहती थीं। दो दिन पहले तीनों बच्चियां गांव में आई थी और एक दो दिन में पिता रोहित भी आने वाले थे। गांव वालों ने बताया कि पिता ने बच्चियों को अपने साथ बंगलुरू ले जाने की बो बोलकर घर बुलवाया था। गांव में ही दूसरी जगह बच्चियां के बाबा और दादी भी रहते हैं। गांव वालों के मुताबिक, रात में बच्चियां खाना खाकर सोने चली गई।

सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच बड़ी बेटी अप्सरा अपने दादा के पास आई और बहनों के नहीं उठने की बात कही। जाकर देखा तो एक बहन रीति की मौत हो चुकी थी। इसी बीच बड़ी बहन की भी अचानक तबीयत बिगड़ने लगी और उसे गांव वाले उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई।

जबकि तीसरी बच्ची ने घर पर ही उल्टी कर दी थी, जिससे चिकित्सकों ने उसकी स्थिति सुधार ली। बताया जा रहा है कि वो अभी खतरे से बाहर है। लेकिन, छोटी होने की वजह से उपचार और चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है। मौके पर एसपी उत्तरी और बांसगांव थाने की पुलिस के साथ फॉरेंसिक विभाग की टीम भी जांच कर रही है।

पंखा लगाने आए बिजली मिस्त्री ने मासूम के साथ किया दुष्कर्म

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव में किराए का मकान लेकर मां के साथ रह रही पांच वर्षीय मासूम के साथ बिजली मिस्त्री ने दुष्कर्म किया। बिजली मिस्त्री घर में पंखा लगाने गया था। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

गीडा की फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला घघसरा नगर पंचायत के एक वार्ड में किराए का मकान लेकर अपनी पांच वर्षीय मासूम बेटी के साथ रहती है। गर्मी अधिक होने पर महिला ने पंखा मंगाया था। शनिवार की रात दूसरे गांव निवासी एक बिजली मिस्त्री को पंखा लगाने के लिए बुलाया। आरोप है कि बिजली मिस्त्री नशे की हालत में महिला के घर आया और पंखा लगाने लगा। इस दौरान मां काम में व्यस्त हो गई तो मिस्त्री ने वहीं खड़ी पांच वर्षीय मासूम के साथ पहले छेड़छाड़ की और मौका देख कर दुष्कर्म करने लगा मगर तभी मासूम की मां आ गई। इसके बाद आरोपित भाग गया। पीड़िता की मां ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। एसओ विशाल उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपित दिनेश कुमार उर्फ पिंटू, पुत्र स्व. कैलाश निवासी डुमरी निवास के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पत्नी का शव समझ कर दिया था अंतिम संस्कार, वह झांसी में मिली जिंदा

संवाददाता–गोरखपुर। उरुवा बाजार इलाके में 19 जून को जिसकी हत्या कर फेंके गए शव को बांसगांव के उस्का बाजार निवासी रामसुमेर (60) ने पत्नी फूलमती (40) का बताकर अंतिम संस्कार कर दिया था, वह झांसी में जिंदा मिली। शनिवार को इस हत्याकांड में नया मोड़ आने के बाद पुलिस भी परेशान है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर जिसका शव मिला, वह कौन थी। पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। उरुवा बाजार इलाके के चचाई राम गांव के पास 19 जून की सुबह एक महिला का शव मिला था। पहचान के बाद रामसुमेर की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया और जांच आगे बढ़ाई। रामसुमेर ने तब पुलिस को बताया था कि उसकी पत्नी फूलमती 15 जून को मायके से ससुराल आने के लिए निकली और तभी से लापता थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई।

अभी तक पुलिस शव, फूलमती का मानकर जांच कर रही थी। उसके जिंदा मिलने के बाद पुलिस अब शव का फोटो आस–पास के जिलों के थानों में भिजवाकर शिनाख्त करवाने की कोशिश में जुटी है। एसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार तोमर ने बताया कि पुलिस फूलमती के मोबाइल नंबर के जरिये हत्या के आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी। फूलमती का मोबाइल फोन चालू था, उसे ट्रेस कर पुलिस ने पहले सुल्तानपुर के शुभम को झांसी रेलवे प्लेटफॉर्म से पकड़ा। शुभम ने बताया कि उसके साथ ही फूलमती गोरखपुर से झांसी आई है। यह सुनकर पुलिस हैरान रह गई। फिर दोनों को रेलवे प्लेटफॉर्म पर ही हिरासत में लेकर गोरखपुर आई। एसपी दक्षिणी ने बताया कि फूलमती से पूछताछ कर उसे पति रामसुमेर के साथ ससुराल भेज दिया गया। जिस महिला की हत्या कर फेंकी गई लाश मिली है, उस मामले में कई अहम सुराग पुलिस के हाथ लगे है। जल्द ही आरोपी को पकड़कर घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

नशे में धुत बहनोई ने ईंट से कूंचकर की साले की हत्या

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र के गुलरिया गांव में शराब के नशे में धुत होकर बहनोई ने साले की ईंट से कूचकर हत्या कर दी। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुलरिया गांव निवासी प्रकाश (40) पुत्र झिनकू अपने बहनोई सियरापार निवासी दयाराम के साथ शनिवार रात में गुलरिया गांव में ही एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस पर दयाराम ने ईंट से कूंचकर प्रकाश की हत्या कर दी। रविवार की सुबह घटना की सूचना मिलते ही एसपी प्राची सिंह ने मौके पर पहुंच घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने मातहतों को शीघ्र ही आरोपित की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। मौके पर सीओ सतीश चंद्र पांडेय के साथ एसओजी, फॉरेंसिक टीम, बांसी कोतवाली प्रभारी बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया है मृतक के परिजनों की तहरीर पर दयाराम के विरुद्ध धारा 302 के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बनगवा प्रथम वि0ख0- बस्ती सदर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–06 2024 से 02–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 03–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(विद्यावती) ग्राम प्रधान **(फैज अहमद)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत आमा पाण्डेय वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–06 2024 से 02–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 03–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शिव कुमारी देवी) ग्राम प्रधान **(राम किशोर शर्मा)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत सेल्हरा वि0ख0-कुदरहा जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–06 2024 से 02–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 03–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शीला देवी) ग्राम प्रधान **(शैलेन्द्र कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत तेनुवा वि0ख0-हर्रैया जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–06 2024 से 01–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 02–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(चंद्रशेखर) ग्राम प्रधान **(राम किशोर शर्मा)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत कड़सरी मिश्र वि0ख0-कुदरहा जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–06 2024 से 01–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 02–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10 11	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शान्ती) ग्राम प्रधान **(रवि पाण्डेय)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

रामंदिर में नहीं लगी है चंदन टीका और चरनामृत पर रोक –नृपेंद्र मिश्र

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चंदन टीका लगाने व चरणामृत देने पर लगी रोक संबंधित खबर वायरल होने के बाद ट्रस्ट ने सामने आकर इसका खंडन किया है। पहले राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने वायरल खबर का खंडन किया था और साफ कहा था कि राम मंदिर में चंदन टीका व चरनामृत देने पर कोई रोक नही लगाई गई ही। अब मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी इसका खंडन किया है। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में शामिल होने अयोध्या पहुंचे निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने कहा किचंदन टीका और चरणामृत नहीं दिया जाना है यह भ्रामक बात ही। किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई गयी ही। सबसे सामान व्यवहार किया जा रहा है। एक समाचार पत्र में ऐसी खबर आई थी कि मंदिर में चंदन टीका लगाने पर रोक लगा दी गई है। राम मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि चरणामृत देने व चंदन लगाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर की जो परंपराएं पहले थीं, वह आज भी यथावत हैं। श्रद्धालुओं को चंदन लगाने की कोई परंपरा नहीं है। यह व्यवहारिक रूप से संभव भी नहीं है, क्योंकि राम मंदिर में रोजाना एक लाख से अधिक भक्त दर्शन करते हैं।

उन्हें चंदन कैसे लगाया जा सकता है। इतना जरूर है कि दोपहर की आरती में जो भी श्रद्धालु होते हैं, उन्हें चरणामृत दिया जाता है। कुछ श्रद्धालुओं को पुजारी चंदन भी लगाते हैं, इनमें आम से लेकर खास तक शामिल होते हैं। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। दर्शनपथ पर हर एक श्रद्धालु को प्रसाद देने की भी व्यवस्था की गई है।

बाग में पेड़ से लटका मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के डीघा में एक बाग में पेड़ से लटका एक शव बरामद हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाल आरके सिंह ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि एक व्यक्ति का शव ग्राम डीघा की बाग में पेड़ से लटका हुआ है। इस सूचना पर फोरेंसिक टीम को अवगत कराते हुए फोर्स सहित मौके पर पहुंचे। एक व्यक्ति आम के पेड़ पर मफलर के फंदे में लटका हुआ मिला। शव को नीचे उतरवाया गया। उसके पहने हुए कपड़े की तलाशी में आधार कार्ड मिला। जिससे उसकी पहचान सुरेंद्र यादव पुत्र हजारी निवासी ग्राम रौतापार थाना कोतवाली खलीलाबाद के रूप में हुई। शव को बॉडी बैग में रखवाकर मोर्चरी भेजवाया गया। परिजन को सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ईमेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com